मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MJY–008

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम.ए.जे.वाई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.जे.वाई.-008 : फल विचार

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र* **दो** *खण्डों में है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

भाग—क

नोट: निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। $3 \times 20 = 60$

1. द्वादश भावों का परिचय देते हुए इनसे विचारणीय विषयों का वर्णन कीजिए।
2. पञ्चम भाव में सूर्यादि ग्रहों की स्थिति का वर्णन कीजिए।
3. पुरुषार्थ चतुष्टय और कर्मफल पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।
4. वृत्ति-विवेचन पर विस्तृत विमर्श प्रस्तुत कीजिए।

5. शत्रु एवं रोग विचार पर ज्योतिषीय दृष्टि से विस्तृत विमर्श कीजिए।

6. दाम्पत्य सुख विचार पर ज्योतिषीय विमर्श प्रस्तुत कीजिए।

भाग—ख

नोट: निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। $4 \times 10 = 40$

1. द्वादशभावस्थ मिथुन राशि के फल का वर्णन कीजिए।

2. सूर्य का स्वरूप वर्णित करते हुए द्वादश भावों में सूर्य का फल वर्णन कीजिए।

3. धन भाव का महत्त्व बताते हुए धनभावेश का द्वादश भावों में फल वर्णित कीजिए।

4. कर्म फल के आलोक में पुरुषार्थ चतुष्टय पर टिप्पणी लिखिए।

5. ग्रहों के आधार पर लाभ के स्रोतों का वर्णन कीजिए।

6. वाहन व कीर्ति योगों का वर्णन कीजिए।

7. विवाह काल के निर्धारण के विषय में संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

8. षष्ठ भावगत विविध ग्रहों का फल वर्णित कीजिए।

× × × × ×